जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 59 | अंक-13 | जयपुर, सोमवार, 3 अप्रैल, 2023 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

खादी फैशन शो में हुआ राजस्थान की परम्परागत खादी में किए गए नवाचारों का प्रदर्शन

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से खादी को आमजन के बीच लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से जवाहर कला केन्द्र के मध्यवर्ती मुक्ताकाश मंच पर खादी फैशन शो का आयोजन किया गया। राजस्थान की परंपरागत खादी में किए गए नवाचारों को मेल-फीमेल मॉडल्स ने रैम्प पर कैटवॉक कर शोकेस किया तथा राजस्थान के विभिन्न जिलों में तैयार की जाने वाली खादी की विशेषताओं को फैशन शो के माध्यम से उपस्थितजनों के समक्ष प्रदर्शित किया।

राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के कंसल्टेंट एंड फैसिलिटेटर विश्वविख्यात फैशन डिजाइनर हिम्मत सिंह पंवार के नेतृत्व में हुए इस फैशन शो के दौरान राजस्थान सरकार की उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन और पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, राजस्थान लघु उद्योग निगम जयपुर के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, समाज कल्याण बोर्ड राजस्थान की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा, राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी, मुख्य सचिव उषा शर्मा, राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के वाइस चेयरमैन पंकज मेहता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) वीनू गुप्ता, खादी बोर्ड के सचिव ब्रजेश कुमार चांदोलिया, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ,बजाज नगर, जयपुर के मंत्री अनिल शर्मा सहित राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं गणमान्यजन के साथ ही बड़ी संख्या में फैशन में रुचि रखने वाले आमजन उपस्थित रहे। इस दौरान जवाहर कला केन्द्र की संदर्भ दीर्घा में खादी के विभिन्न उत्पाद और खादी वस्त्र भी डिस्प्ले किए गए।

राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के सचिव ब्रजेश कुमार चांदोलिया ने बताया कि राजस्थान के खादी के परंपरागत पहनावे को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में प्रस्तुत करने की कड़ी में बोर्ड द्वारा इस फैशन शो का आयोजन किया गया।

जिसमें प्रमुख रूप से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के खादी परिधानों की विशेषताओं को प्रदर्शित किया गया। दो सीक्वेंस में हुए इस फैशन शो में राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के कंसल्टेंट एंड फैसिलिटेटर, विश्वविख्यात फैशन डिजाइनर हिम्मत सिंह पंवार के डिजाइन किए गए कैजुअल, ऑफिस वियर, पार्टी वियर ड्रेसेज पहनकर 40 से अधिक मेल-फीमेल मॉडल्स ने रैम्प पर कैटवॉक की एवं जैसलमेर की पटटू, मेरिनो वूलन खादी, जैविक खादी पॉली वस्त्र आदि फैब्रिक्स से बनाए गए डिज़ाइनर परिधान शोकेस किए। राज्य में खादी के कतिनों एवं कारीगरों के विशेष प्रशिक्षण देकर उनसे तैयार करवाए गए दैनिक जीवन में पहने जाने वाले परिधान पहनकर जब मॉडल्स ने रंग-बिरंगी लाइटों की रोशनी और म्यूजिक बीट्स के बीच रैम्प पर कैटवॉक की, तो खादी में किए गए नवाचारों की झलक नजर आई। खादी के प्रति युवाओं को आकर्षित करने के लिए उनकी रुचि के अनुरूप डिजाइन की गई पोशाकें इस खादी फैशन शो में विशेष रहीं। फैशन शो की विमंस सीक्वेंस की ओपनिंग सोशल उद्यमी अपरा कुच्छल ने की वहीं इस सीक्वेंस में शिक्षाविद् जयश्री पेरिवाल ने बतौर शो स्टॉपर रैंपवॉक की। स्पेशल पर्सनैलिटीज सीक्वेंस के शो ओपनर बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय रहे। वहीं डिजाइनर हिम्मत सिंह पंवार के साथ मिस्टर वर्ल्ड फेम सुपर मॉडल व एक्टर राजीव सिंह ने बतौर शो स्टॉपर मंच साझा किया।

शेष पेज नं. 2 पर

कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फूंका पुतला

जयपुर (हमारा वतन)। शहर के थाना मोड स्थित तहसील के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने के विरोध में पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया।

पूर्व विधायक सैनी ने बताया कि राहुल गांधी लगातार देश के हित में आवाज उठा रहे हैं। मोदी सरकार देश की पूरी संपत्ति अवैध तरीके से पूंजीपतियों को दे रही है। देश और विदेशों में कुल 38 सेल कंपनियां यानि फर्जी कंपनियां एक पूंजीपति की चल रही हैं। इस मुद्दे को राहुल गांधी ने सड़क से लेकर सदन तक उठाया तो मोदी सरकार उन पर हमले करने लगी है।

मोदी सरकार के इशारे पर राहुल गांधी की सदस्यता को रद्द करने का कार्य किया गया। कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई को भाजपा की बौखलाहट और केंद्र सरकार की तानाशाही करार दिया। इस मौके पर चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, डॉ. रामनारायण यादव, पंचायत समिति सदस्य गोगराज देवन्दा, गोपाल गुलिया, पार्षद एडवोकेट धीरेंद्र सैनी, सायर सिंह तंवर, अशोक कुमार रच्छौया, फिरोज नागौरी, सरपंच मुकेश मीणा, मुकेश मोदी, हीरालाल जादम, कमल सिंह यादव, सुरेश सेरावत, डॉ. जेपी सैनी, युवा नेता रामकिशोर सैनी, अभिषेक मोरदिया, सीताराम यादव, ओमप्रकाश बुनकर, सुनील सैनी, कालूराम सांखला, गौरी शंकर कुमावत, सुरेश मीणा, राजेंद्र बागड़ा, कमलेश मीणा, अनिल करवां, श्याम प्रताप सिंह गुर्जर, रामस्वरूप सौंकरिया, तुलसीराम पवार, पूरणमल मीणा, प्रकाश डागर, रामसिंह नुवाल व विनोद सैनी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तारा ज्योतिष साधना केंद्र में रामनवमी पर हुआ कन्या भोज

जयपुर (हमारा वतन) ।तारा ज्योतिष साधना केंद्र जयपुर कार्यालय में रामनवमी के शुभ अवसर पर सभी के लिए हवन कर मंगल कामना की । पंडित हरिओम शास्त्री ने विधि विधान से पूजा कराई। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि चैत्र माह में रामनवमी के दिन भगवान राम का जन्म हुआ था । सभी को भगवान राम की तरह चरित्रवान बनना चाहिए । इस दौरान कन्याओं को भोजन कराकर दक्षिणा प्रदान की । सभी ने कन्याओं की रक्षा का संकल्प लिया । नन्हीं बालिका याशिका ने सभी को बालिका रक्षा का संदेश दिया । इस अवसर पर आमेर पुजारी महेश भट्टाचार्य, पंडित राहुल दाधीच, दिलीप सिंह, हेमंत सोनी, राकेश सैनी, आरती सैनी, नेहा सोनी , रितु वासवानी, हर्ष वासवानी, वंदना सिंह, संभव सोनी, भीम सोनी ,मुकेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

राजस्थान में 1 अप्रैल से हुए ये बड़े बदलाव

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान में 1 अप्रैल से कई चीजों में बदलाव हो गया है। आम और खास के लिए अब कई चीजें बदल गयी हैं । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने शासन के आखिरी बजट में आम जनता को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणा की थी। ये घोषणाएं 1 अप्रैल से लागू हो गयी हैं । राजस्थान में एक अप्रेल से चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख तक का इलाज निशुल्क मिलेगा, हर माह न्यूनतम 750 पेंशन अब बढ़ कर एक हजार रूपए मिलेगी, प्रदेश के 76 लाख परिवारों को मात्र 500 रूपए में गैस सिलेंडर मिलेगा, हर परिवार को 100 यूनिट और किसानों को 2 हजार यूनिट हर महीने निशुल्क बिजली मिलेगी। महिलाओं को राजकीय सामान्य श्रेणी की रोडवेज बसों यात्रा करने पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। पात्र परिवारों को खाद्य राशन किट मिलेंगे। प्रदेश में कोई भूखा नही सोये इस उद्देश्य के साथ इंदिरा रसोई की संख्या में वृद्धि होगी।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कच्चौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

फ्री परामर्श

संपर्क - 9636247286, 9928747286

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

माली समाज के 13 जोड़े बंधे परिणय सूत्र बंधन में,हजारों लोग बने साक्षी, 400 भामाशाहों का किया सम्मान

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं शहर में माली समाज विकास समिति के तत्वावधान में रामनवमी के अबूझ सावे पर 16 वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 13 जोड़े वैदिक मंत्रों के साथ परिणय सूत्र बंधन में बंधे ।

इससे पूर्व प्रातः 9 बजे थाना मोड़ स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में सिंयाला कार्यक्रम हुआ, जहां से 13 दूल्हे एक साथ घोड़ी पर बैठ कर रवाना हुए । बारात शाही लवाजमें और बैंड बाजे के साथ नाचते - गाते बस स्टैंड होते हुए सैनी समाज सभा भवन में पहुंची । रींगस रोड स्थित सैनी समाज सभा भवन विवाह स्थल पर तोरण और वरमाला का कार्यक्रम संपन्न हुआ । इसके बाद विवाह स्थल पर गायत्री परिवार शाखा धवली के वरिष्ठ अभिभावक थानाराम जाट के सानिध्य में विद्वान पंडितों द्वारा पूर्ण विधि-विधान से फेरे पूर्ण करवाए गए । शाम को नव दम्पत्तियों को आशीर्वाद देकर भावभीनी विदाई दी । सभी लोगों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी रही । पुलिस प्रशासन की भी चाक चौबंद व्यवस्था रही ।

फूल व्यापार संघ ने की पुष्प वर्षा –13 दुल्हे जब घोड़ी पर एक साथ निकले तो शहरवासी देखते ही रह गए । चौमूं के बस स्टैंड स्थित फूल व्यापार संघ ने बारातियों पर पुष्प वर्षा की और बारातियों को मिल्क रोज पिलाया ।

वर वधु को दिए उपहार–नव दंपतियों को भामाशाहों द्वारा आलमारी, चांदी की पायजेब, एलईडी टीवी, ड्रेसिंग टेबल, चौकी, पलंग, कूलर,छत पंखा, सिलाई मशीन, ट्रॉली बैग, स्टील बर्तन, चांदी की चुटकी सहित कई उपहार प्रदान किए गए ।

400 भामाशाहों का किया सम्मान

माली समाज विकास समिति द्वारा सामूहिक विवाह सम्मलेन में तन-मन -धन से सहयोग देने वाले करीब 400 भामाशाहों का माल्यार्पण कर, शाल ओढ़ाकर, अंजनी हनुमान की फोटो भेंट कर सम्मान किया।

समिति अध्यक्ष घीसा लाल सैनी ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन वर्ष 2007 से हो रहा है । इससे दहेज प्रथा पर रोक लगती है और फिजूलखर्ची नहीं होती । बचे हुए पैसे से नव दंपति अपना कैरियर बना सकते हैं । इससे समाज आगे बढ़ा है और युवा ऐसे सम्मेलनों में शादी के लिए आगे आ रहे हैं ।

सम्मलेन में ये अतिथि रहे मौजूद-नव दंपतियों को आशीर्वाद देने के लिए पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, बाल कल्याण समिति चेयरमैन शीला सैनी, नगर पालिका शाहपुरा चेयरमैन बंशीधर सैनी, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री जगदीश प्रसाद सैनी गुड्डू, माली समाज जयपुर अध्यक्ष रोशन सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल, राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण बोर्ड के सदस्य भवानी शंकर माली, पूनमचंद कच्छवा, कानाराम खोवाल, पूर्व सरपंच पप्पू लाल सैनी, श्रवण करोडिया, रामचंद्र तुन्दवाल, राधेश्याम तंवर, दिनेश कुमार तिगरिया, मोहनलाल चांदोलिया, हामंत्री मदन लाल बागड़ी, कोषाध्यक्ष प्रभाती लाल सैनी, गणेश नारायण बेनाडिया, शंकरलाल खेजरोली, ओम प्रकाश ,बाबूलाल भभेवा, कन्हैया लाल पापटवाण, किशनलाल आढतिया,गोविंद नारायण सैनी ,नानूराम सैनी, मदनलाल सतरावला, हीरालाल पांच्या,डॉक्टर जेपी सैनी, कैलाश चंद बेनाडिया, डॉक्टर मान प्रकाश सैनी, जगदीश पांच्या, जगदीश अधोप्या, प्रह्लाद सहाय अधोप्या, सूरजमल करवा, हनुमान सहाय सिंगोदिया, कल्याण सहाय सैनी, प्रभु राई, धीरेंद्र सैनी, छितरमल बबेरवाल, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष सायर सिंह तंवर, महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया, पूर्व सरपंच भगवान सहाय गिरणा, अभिषेक सैनी, गैंदी लाल सैनी, कानाराम सैनी , कांग्रेस युवा नेता गुलाब चन्द सैनी, प्रेम डिज़िटल से गोविन्द नारायण सैनी, रामनरेश सैनी, रतन कटारिया, गजानंद सैनी, कैलाश तंवर, नेमी चन्द सैनी, सुरेश कुमार तंवर, मनोज सैनी, श्याम लाल सैनी, बद्री सैनी, अर्जुन लाल सैनी, महेश सैनी , राजेंद्र सैनी, रामकिशोर सैनी,कैलाश चन्द इंदौरा,विनोद सैनी, रोशन सैनी,कृष्ण सैनी, श्रवण सैनी सहित कई समाजबन्धु मौजूद रहे । एंकर अमित सैनी ने सभी समाजबंधुओं को अंत तक बांधे रखा ।

हिन्दू राष्ट्र निर्माण सेना ने रामनवमी पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

जयपुर (हमारा वतन)। हिन्दू राष्ट्र निर्माण सेना, राजावास के तत्वावधान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई । शोभायात्रा शिव मंदिर, त्रिवेणी नगर से प्रारंभ होकर राजावास बस स्टैंड एवं गणेश विहार होते हुए श्रीराम मंदिर, त्रिवेणी नगर पहुंची । श्याम सुन्दर गुप्ता ने बताया कि शोभायात्रा में चार भव्य झांकियों में गणेश जी, श्रीराम जी, हनुमान जी एवं बच्चों के स्वांग की झांकी सहित बैण्ड बाजों के साथ लवाजमा था । शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया ।

व्यापारियों ने की पुष्पवर्षा– राजावास ग्राम के मार्केट में जैसे ही शोभायात्रा पहुंची तो व्यापारी विष्णु कपुरिया, मुकेश बोहरा, पंकज शर्मा, नवरत्न शर्मा, मनोज शर्मा, अविनाश, राकेश शर्मा, रामपाल बीजारनिया, रामकिशोर शर्मा, पप्पू यादव, मनीष गुलिया, राकेश सिंह ने पुष्पवर्षा और जल पिलाकर स्वागत सम्मान किया ।

शोभायात्रा के श्रीराम मंदिर, त्रिवेणी नगर पहुंचने पर श्रीराम जी की 551 दीपकों से महाआरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया । 6 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्रीराम मंदिर, त्रिवेणी नगर में सुन्दरकाण्ड के पाठ एवं पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाएगा । इस दौरान बजरंग लाल शर्मा, रामसिंह, अशोक सिंह, शंकर सिंह, रामावतार विजयवर्गीय, हरि सिंह सामोता, नितेश अग्रवाल, मोहन लाल शर्मा, सुशील पारीक, पण्डित उमेश शर्मा, सुनील पारीक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्याम सिंह फर्शवाल एवं स्वयंसेवकों सहित त्रिवेणी नगर, गणेश विहार एवं शक्ति नगर के सैंकड़ों महिलाएँ, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे ।

ओजस्वी नृत्य कला केंद्र सीकर में हुआ समर कैंप का समापन

सीकर (हमारा वतन)। ओजस्वी नृत्य कला केंद्र सीकर में समर कैंप का समापन किया गया । फाउंडर,कथक कलाकर एवं डीआईडी सुपर मॉम ज़ी टीवी फेम सिमरत कौर खोसला ने कहा कि सीकर में हुनर की कमी नहीं है, कुछ अच्छे प्लेटफॉर्म की कमी जरूर है । बच्चों को विभिन्न नृत्य कलाओं को सिखाने के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया था, जिसमें बच्चों को क्लासिकल, एवं वेस्टर्न डांस सिखाया गया । इसमें 6 वर्ष से लेकर 40 साल तक के बच्चों ,युवाओं, महिलाओं ने भाग लिया। सभी बच्चों को संस्था की और से सर्टिफिकेट एवं बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड दिए गए। प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी दर्शकों का मन मोह लिया।मेहमान की भूमिका अमेरिका गॉट टैलेंट जैसे प्लेटफॉर्म पर अपनी अनूठी छाप छोड़ चुके शाकिर खान ने निभाई। नृत्य के साथ साथ वादन की प्रस्तुति में कृष्ण एवं कपिल की जोड़ी ने तबला एवं फ्लूट की बेहतरीन प्रस्तुति दी फैकल्टी में कपिल , आफताब, विक्रम एवम सिमरत कौर खोसला द्वारा नृत्य सिखाए गए। सिमरत कौर खोसला ने कहा आगे भी ऐसे कैंप ऑर्गेनाइज करते रहेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया डॉक्टर त्रिलोक चंद्र सोनी को सम्मानित

उत्तराखंड (हमारा वतन)। पर्यावरण संरक्षण के साथ हर गतिविधियों में आगे रहने वाले पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी को नगर निगम सभागार देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूरी भूषण ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जानकारी के लिए आपको बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग दिल्ली द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत ऑल इंडिया रेडियो पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने, चुनाव पद्धति से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदाता जंक्शन कार्यक्रम चलाया जाता हैं और कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्न पूछा जाता है । देश से आये सही जवाबों पर एक भाग्यशाली विजेता का चयन किया जाता है । एपिसोड 14 के भाग्यशाली विजेता डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी बने , उन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पार्शल के माध्यम से प्रशस्ति पत्र, एक रेडियो दिया गया जिन्हें विधानसभा अध्यक्ष ने अपने हाथों डॉ. सोनी को सम्मानित किया। डॉ. सोनी वर्तमान में राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा (सकलाना) टिहरी गढ़वाल में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत हैं और विगत तीस वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन के क्षेत्र में मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, योगेश भट्ट राज्य सूचना आयुक्त, चकबंदी के प्रेरता गणेश सिंह गरीब, दीपिका डोभाल, कपिल डोभाल, राकेशमोहन ध्यानी, किरन सोनी, वृजेश टम्टा सहित कई लोग उपस्थित रहे ।

एलबीएससी स्कूल के वार्षिक उत्सव में नन्हें मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के हनुमान नगर विस्तार, खातीपुरा स्थित एलबीएससी पब्लिक सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से 15 वां वार्षिक उत्सव मनाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैप्टन आरजे सिंह और पार्षद वीरेंद्र सिंह शेखावत ने सरस्वती माता के फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । स्कूल के बच्चों ने सरस्वती वंदना की । इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगी पोशाकें पहनकर एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें देखकर उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए । इस दौरान बच्चों ने एकांकी नाटक भी प्रस्तुत किए । स्कूल प्रिंसिपल डॉ. अंजू परमार ने आए हुए अतिथियों का स्वागत सम्मान किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया । स्कूल डायरेक्टर पीएस परमार ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने से बच्चों की हौसला अफ़जाई होती है । मंच का संचालन कार्तिक और शत्रुंजय सिंह ने किया ।

खादी फैशन शो में हुआ राजस्थान की .....

शेष पेज न. 1 का

खादी प्रमोशन के लिए इन हस्तियों ने भी किया रैंप वॉक - खादी के प्रमोशन के लिए फैशन शो में रैंप पर कैटवॉक कर खादी परिधानों को प्रदर्शित करने वाली राजस्थान की प्रमुख शख्सियतों में इंडियन पोलो एंबेसेडर महाराज नरेंद्र सिंह, पीसीसी के सेक्रेट्री पुष्पेंद्र भारद्वाज, पोलो खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा, अंतरराष्ट्रीय शूटर विवान कपूर, स्मार्ट सर्किल ग्रुप की फाउंडर श्वेता मेहता मोदी, सेलिब्रिटी इनफ्लूएंसर मार्शेला बोर एवं आकांक्ष बक्शी, शिक्षाविद ध्रुवा शर्मा, राजस्थान कबड्डी के प्रेसिडेंट तेजस्वी सिंह गहलोत, महिला उद्यमी आशिमा परनामी, अलका बत्रा, स्वाति गहलोत, सुजाता भंडारी, टेक एंटरप्रेन्योर अजय डाटा, महेश शर्मा, वीरेन शर्मा, दुष्यंत सिंह, सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर अजय सिंह आदि भी शामिल रहे।

जॉब्स

1. सीआरपीएफ, पद कांस्टेबल ट्रेड्समैन, पद संख्या 9212, अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2023
2. एग्रीकल्चर साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद एसएमएस, एसटीओ, नेट, पद संख्या 195, अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2023
3. एसएससी, पद कंबाइंड ग्रैजुएट लेवल, पद संख्या 2023, अंतिम तिथि 1 मई 2023
4. यंत्र इंडिया लिमिटेड/ ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, पद ट्रेड अप्रेंटिस, पद संख्या 5395, अंतिम तिथि 14 अप्रैल 2023
5. नेशनल वॉटर डेवलपमेंट एजेंसी, पद जेई, यूडीसी, एलडीसी, स्टेनो अन्य, पद संख्या 40, अंतिम तिथि 17 अप्रैल 2023
6. इग्नू, पद जूनियर असिस्टेंट टाइपिस्ट, पद संख्या 200, अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023
7. इसरो , पद टेक्निकल असिस्टेंट एंड अदर, पद संख्या 63, अंतिम तिथि 24 अप्रैल 2023
8. ईपीएफओ, पद सोशल सिक्योरिटी असिस्टेंट और स्टेनोग्राफर, पद संख्या 2859, अंतिम तिथि 26 अप्रैल 2023

बॉलीवुड चटकारा

निया शर्मा की ब्लैक साड़ी में बोल्ड अदाएं, यूजर्स करने लगे ट्रोल, कहा-बॉडी शो करना बंद कर दो

निया शर्मा हाल ही में वेब सीरीज हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा में आइटम नंबर दइया-दइया करती नजर आईं। गाने को काफी पसंद किया गया। निया सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड अंदाज से छाई रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लाखों में हैं जहां वह तस्वीरों और वीडियोज में ग्लैमरस अदाएं दिखती हैं। अब निया ने अपना एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। निया ने ब्लैक साड़ी पहनी है। साथ ही डीप नेकलाइन ब्लाउज है। ब्लैक शिमरी साड़ी में निया खूबसूरती से कहर ढाती दिख रही है। फैन्स ने जहां उनके लुक की तारीफ की तो वहीं ट्रोल करने वालों की भी कमी नहीं रही।

मेकअप करते हुए वीडियो-वीडियो में निया वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। वह शीशे के सामने खड़ी हैं। निया मस्कारा और फिर लिपस्टिक लगाती हैं। उन्होंने आई मेकअप को काफी हाईलाइट किया और आंखों को ग्लिटरी लुक दिया है। जबकि लिपस्टिक न्यूड कलर की लगाई है। अपने इस लुक को उन्होंने सिल्वर कलर के इयररिंग्स से पूरा किया। वीडियो के साथ निया ने कैप्शन में लिखा- शीशा टूट गया।

ट्रोल करने लगे यूजर्स-एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में कहा, उफ्फ निया। एक ट्रोल ने कहा, निया बहुत अच्छी है पता नहीं ऐसे कपड़े क्यों पहनती है। उम्मीद है निया एक दिन बॉडी शो करना बंद कर दे बस। एक ने कमेंट कर कहा, यह ब्लाउज पहना है या ब्रा है। एक यूजर ने लिखा, उफ्फी की कॉपी। निया जल्द ही तेरे इश्क में सीरियल में गेस्ट अपीयरेंस करती दिखेंगी।

सलमान खान के साथ 'वॉन्टेड' में होतीं अमृता राव, मैनेजर ने दुश्मनी निकालने के लिए की थी ये घटिया हरकत

विवाह फेम एक्ट्रेस अमृता राव ने पति आरजे अनमोल के साथ लिखी अपनी किताब Couple Of Things में साल 2007 का एक किस्सा बताया है। अमृता राव ने इस किताब में बताया है कि कैसे वह सलमान खान की को-स्टार हो सकती थीं अगर उन्हें धोखा नहीं दिया गया होता। अमृता राव को जब इस मामले की सच्चाई पता चली तो वह शॉक्ड रह गई थीं।

अमृता राव ने किताब में बताया ये किस्सा-अपनी किताब में अमृता राव ने बताया, 2007 की शुरुआत अच्छी रही थी। मुझे दिलचस्प प्रोजेक्ट्स के लिए साइन किया जा रहा था, इनमें से एक थी श्याम बेनेगल की Welcome To Sajjanpur. लेकिन मैंने यह नोटिस किया कि साल 2002 में टिप्स फिल्म्स की तरफ से मुझे अपॉइंट किया गया मेरा मैनेजर, जो कि अभी भी मेरे साथ था, मेरी करियर ग्रोथ के लिए ठीक नहीं था। मैंने उसके साथ अपने रास्ते अलग करने और एक ज्यादा सीनियर और सधा हुआ मैनेजर हायर करने का फैसला किया जो मेरे लिए बेहतर संभावनाएं ला सके।

अमृता ने किया मैनेजर बदलने का फैसला-अमृता एक ऐसा मैनेजर चाहती थीं जो उनका बेहतर नेटवर्क बनाने और प्रोडक्शन हाउसेज के साथ PR एक्टिविटीज में मदद कर सके। उन्होंने अपने पुराने मैनेजर को बुलाकर बहुत शालीनता से अपना प्लान बताया और बहुत सहजता के साथ उसको हटा दिया।

कोविड 19: कोरोना संक्रमित हुईं पूजा भट्ट, सोशल मीडिया पर शेयर किया अपडेट

भारत में कोरोना एक बार फिर अपने पैर पसारने लगा है। पहले अभिनेत्री किरण खेर कोरोना संक्रमित हुई और अब एक्ट्रेस पूजा भट्ट की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई है। पूजा भट्ट ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुद इस बात की जानकारी दी है। अभिनेत्री ने बताया कि वैक्सीन लगवाने के बावजूद उन्हें कोरोना हो गया है।

उम्मीद है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी-अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, और ठीक 3 साल बाद, मुझे पहली बार कोरोना हो गया है। आप सभी लोग मास्क लगाइए! कोविड अब भी फैल रहा है और टीका लगवाने के बावजूद यह आप तक पहुंच रहा है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी।

कौन हैं पूजा भट्ट? पूजा भट्ट फिल्म निर्माता महेश भट्ट की सबसे बड़ी बेटी हैं। पूजा भट्ट, आखिरी बार फिल्म चुप रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट में दिखाई दी थीं। बता दें, इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल, दुलकर सलमान और श्रेया धनवंतरी भी नजर आए थे। इससे पहले, अभिनेत्री को वेब सीरीज बॉम्बे बेगम और फिल्म सड़क 2 में अभिनय करते देखा गया था।

जल्दी कंट्रोल करें अपना गुस्सा

वरना आपके बच्चे पर हो सकता है इसका खतरनाक असर, एक्सपर्ट बता रहे हैं वजह

बच्चों से गलती होना एक आम बात है, मगर गलती पर बच्चों को डांटना और मारना सिचुएशन को असामान्य बना सकता है। आइए जानते हैं आपकी डांट का बच्चों पर हो सकता है क्या असर। बच्चे एक ऐसा आईना है, जिसमें आपको खुद का प्रतिबिंब नजर आता है। अगर आप रूड है, आउटस्पोकन है और गैर जिम्मेदार है, तो बच्चों से जिम्मेदारी की उम्मीद करना पूरी तरह से गलत है। आपको बात बात पर गुस्सा आता है, तो बच्चे भी उस राह पर अपने आप दौड़ने लगेंगे। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए पहले आपको खुद को संभलना होगा। अक्सर हम लोगों को खुद में कोई कमी नज़र नहीं आती है। हमें लगता है कि हमसे बेहतर और कोई नहीं है। अगर आप बच्चों को एक समझदार और रिस्पॉसिब्ल व्यक्ति बनाना चाहती हैं, तो बच्चों के सामने गुस्सा करना छोड़ दें । आइए जानते हैं बच्चों के सामने गुस्स करने से क्यों बचना चाहिए। इस बारे में पेरेंटिंग कोच डॉ पल्लवी राव चतुर्वेदी का कहना है कि अगर आपको लग रहा है कि आप बहुत गुस्से में हैं, तो थोड़ा रूके और पानी पीएं। उसके बाद बच्चे के पास वापिस लौटें। ध्यान रखें कि आप बच्चे से बात कर रहे हैं, तो उनसे थोड़ा सा नरमी से पेश आएं और उन्हें समझने की कोशिश करेंआमतौर पर देखा गया है कि आपके गुस्से से प्रभावित होकर बच्चे अन्य लोगों के साथ वैसा ही व्यवहार करने लगेंगे। इस सिचुएशन से बाहर आने के लिए बच्चों के सामने या उनपर गुस्सा करने से पहलें इन बातों का ख्याल रखें ।

1. एकाग्रता की कमी-बात बात पर गुस्सा करने का बच्चों पर गहरा प्रभाव नजर आता है। वे न सिर्फ खुद को दूसरों से कम समझने लगते हैं बल्कि अन्य लोगों के साथ मिलने जुलने में भी उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। स्कूल में कुछ भी पढ़ाए जाने पर वे ज्यादा देर तक याद नहीं रख पाते हैं। इसके अलावा दूसरों की बातों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। दरअसल, दिमाग के एक कोने में पेरेंटस का गुस्सा और उनका बच्चों के प्रति व्यवहार बच्चों की पर्सनेलिटी को दबानग लगता है।

कैसे सुलझाएं समस्या-बच्चों के साथ कुछ वक्त पार्क में गुज़ारें। पढ़ाई के साथ साथ उसे कुछ वक्त अपने पसंदीदा एक्टिविटी में भी बिताने दें। कई बार रंग बच्चे के मानसिक विकस पर गहरा प्रभाव डालते हैं। उन्हें पेंटिंग करने दें, सिंगिग करने दें और कुछ वक्त डांसिग के लिए दे। इससे बच्चे के अंदर बैठा गुस्सा और दर्द रिलीज़ होने लगता है।

ऐसी गलतियां करने वाले माता-पिता अपने बच्चे के होते हैं जानी दुश्मन, आप न दोहराएं

आधुनिक समय में भी आचार्य चाणक्य के विचार प्रासंगिक हैं। उन्होंने नीति शास्त्र में समस्त समाज के विकास की विवेचना की है। इसमें उन्होंने माता-पिता के बारे में भी विस्तार से बताया है। आचार्य चाणक्य की मानें तो माता-पिता कई ऐसी गलतियां करते हैं, जो बच्चे और पेरेंट्स के लिए दुखप्रद होते हैं। इनमें सुधार करना चाहिए। इससे बच्चे का भविष्य स्वर्णिम होता है। वहीं, माता-पिता भी सुखी पूर्वक जीवन व्यतीत करते हैं। इसके अलावा, धन और संपत्ति में भी वृद्धि होती है। अगर आप भी अपने बच्चे को कामयाब इंसान बनाना चाहते हैं, तो ये 3 गलतियां न करें। आइए जानते हैं-

-आचार्य चाणक्य की मानें तो जो माता-पिता अपने बच्चे को संस्कार नहीं देते हैं। बच्चे को संस्कारी और शालीन नहीं बनाते हैं। वे अपने बच्चे के ही शत्रु होते हैं। इससे न केवल बच्चे का भविष्य कष्टमय होता है, बल्कि माता-पिता का जीवन भी संकटमय हो जाता है। बच्चे कुमार्ग पर चलने लगते हैं। इससे माता-पिता को सामाजिक उपहास से गुजरना पड़ता है। साथ ही गलत कार्यों में लिप्त रहने पर बच्चे सजा के भागी भी बनते हैं। वहीं, माता-पिता मानसिक यातनाएं झेलते हैं।

-बच्चों को शिक्षा प्रदान करना माता-पिता का कर्तव्य है। इसके लिए बच्चे को शिक्षा दिलाने में कंजूसी नहीं करनी चाहिए। अगर कंजूसी करते हैं, तो बच्चे उच्च शिक्षा पाने से वंचित हो सकते हैं। ऐसे माता-पिता जो बच्चों को उच्च शिक्षा नहीं दिलाते हैं। वे अपने बच्चे के ही दुश्मन होते हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त न करने की वजह से बच्चे को जीवन यापन के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है। वहीं, माता-पिता को भी सुख-सुविधा नहीं मिल पाती है।

-आचार्य चाणक्य का कहना है कि बच्चे को अधिक लाड़-प्यार देना भी सही नहीं है। इससे बच्चे बिगड़ जाते हैं। साथ ही बच्चे जिद्दी भी बन जाते हैं। इसके बाद बच्चे अपनी मन की करने लगते हैं। ये जिद बच्चे और उनके माता-पिता के लिए सही नहीं है। इससे बच्चे बिगड़ जाते हैं। इसके लिए बच्चे को अधिक लाड़-प्यार न दें।

-बच्चे का आज्ञाकारी होना जरूरी है। वहीं, पिता के लिए बच्चों का लालन-पालन जरूरी है। अगर पिता अपने बच्चे की परवरिश में कमी करते हैं, तो बच्चे का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है। ऐसे माता-पिता अपने बच्चे के लिए शत्रु ही बन जाते हैं।

सपनों के संकेत

सपने में इन चीजों का दिखना होता है बेहद शुभ, समझ जाएं बदलने वाली है आपकी किस्मत

सपनों का वास्तविक जीवन से गहरा नाता होता है। आसान शब्दों में कहें तो सपने आगामी जीवन के संकेत होते हैं। इनमें कुछ सपने अच्छे तो कुछ बुरे होते हैं। कई ऐसे सपने होते हैं, जो धन प्राप्ति के संकेत होते हैं। अगर आप भी सपने में इन चीजों को देखते हैं, तो संकेत है कि आप जल्द ही धनवान बनने वाले हैं। आइए जानते हैं-

-स्वप्न शास्त्र की मानें तो सपने में देवी-देवताओं का दिखना बेहद शुभ होता है। इसका मतलब है कि आपका कोई काम पूरा होने वाला है। साथ ही आपके जीवन में सुख और समृद्धि का आगमन होने वाला है।

-अगर आप सपने में तोते, मोर या हाथी देखते हैं, तो ये आपके लिए शुभ संकेत है। इन सपनों का मतलब होता है कि आपका समय जल्द सही होने वाला है। अगर आप नौकरी की तलाश में हैं, तो आपकी मनोकामना जल्द पूरी होगी।

-सपने में मंदिर या मंदिर से जुड़ी चीजों का दिखना भी शुभ होता है। अगर आप भी अपने सपने में मंदिर देखते हैं, तो इसका मतलब है कि जल्द भगवान आपकी कोई विशेष मनोकामना पूरी करने वाले हैं।

-अगर आप सपने में फूल देखते हैं, तो ये शुभ संकेत है। इस सपने का मतलब होता है कि आपको जल्द ही धन की प्राप्ति होने वाली है। रुका हुआ धन भी प्राप्त हो सकता है। एक चीज का ध्यान रखें कि अपने सपने को किसी से शेयर न करें।

- ज्योतिषियों की मानें तो सपने में धार्मिक स्थल का दिखना भी शुभ होता है। अगर आप सपने में तीर्थ यात्रा पर हैं या धार्मिक स्थल पर हैं, तो ये संकेत है कि ईश्वर आपसे प्रसन्न हैं और आपके मनोरथ जल्द सिद्ध होने वाले हैं।

-स्वप्न शास्त्र की मानें तो बारिश में भीगना और और भीगते हुए घर आना शुभ होता है। इन सपनों का अर्थ होता है कि आपकी किस्मत जल्द बदलने वाली है।

-कई लोग सपने में खाने-पीने की चीजें देखते हैं। अगर आप भी सपने में खुद को पान खाते देखते हैं, तो इस सपने का मतलब होता है कि आपको किसी काम में जल्द सिद्धि प्राप्त होगी।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लेक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

**क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।**

न्याय और समता

सर्वोच्च न्यायालय के कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो व्यावहारिक रूप से व्यापक और अनुकरणीय होते हैं। एक ही मुकदमे में न्यायालय ने दो ऐसी टिप्पणियां की हैं, जिन्हें याद रखा जाएगा। पहली टिप्पणी का सार यह है कि अदालतों को लड़का-लड़की में भेद नहीं करना चाहिए। दूसरी टिप्पणी, किसी अपराधी को फांसी की सजा तभी सुनाई जाए, जब उसमें सुधार की कोई संभावना नहीं हो।देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली व न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा ने सात साल के एक बच्चे के अपहरण व हत्या के दोषी याचिकाकर्ता सुंदरराजन की मौत की सजा को कम करते हुए ये टिप्पणियां की हैं। दोषी सुंदरराजन ने जुलाई 2009 में पीड़ित का स्कूल से लौटते समय अपहरण कर लिया था। निचली अदालतों में दोष सिद्ध हो चुका था, फिर भी अपराधी ने बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी। अदालत ने दोषी की सजा कम की है, उसे फांसी से बचाया है, तो उसके पर्याप्त कारण भी गिनाए हैं। बहरहाल, बात पहले लिंगभेद की। यह बात गौर करने की है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसी मामले में पहले लिंगभेद प्रेरित टिप्पणी की थी और अब सर्वोच्च न्यायालय ने ही सुधार की कोशिश की है। प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ ने दोषसिद्धि के खिलाफ की गई अपील पर फैसला करते समय न्यायालय द्वारा पितृसत्तात्मक भाषा के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। अदालत ने पहले टिप्पणी करते हुए इशारा किया था कि फिरौती के लिए विशेष बच्चे के अपहरण का विकल्प सुनियोजित था। मृतक के माता-पिता के चार बच्चे थे - तीन बेटियां और एक बेटा। इकलौते बेटे का अपहरण उसके माता-पिता के मन में अधिकतम भय उत्पन्न करने के लिए था। जान-बूझकर इकलौते पुत्र की हत्या करना, मृतक के माता-पिता के लिए गंभीर परिणाम होता है, पुत्र होता, तो परिवार के वंश को आगे बढ़ाता। ऐसी भाषा पर प्रधान न्यायाधीश ने रोष जताया है, तो यह स्वागतयोग्य है। पितृसत्ता या लिंगभेद के लिए संविधान में भी कोई जगह नहीं है, फिर अदालती व्यवहार व भाषा में यह भेद तो अचंभित करता है। अदालती फैसलों के ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जिनमें लिंगभेद हावी दिखा है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा और सुखद टिप्पणी का असर सभी निचली अदालतों तक पहुंचे, तो भारत में समता और न्याय की बुनियाद मजबूत होगी। वाकई, अदालत के लिए यह मायने नहीं होना चाहिए कि कोई लड़का है या लड़की। अपराध सिर्फ अपराध है। पितृसत्तात्मक मूल्यों को व्यावहारिक रूप से अलविदा कहने का कार्य न्याय के मंदिरों में ही संपन्न होना चाहिए।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मध्य प्रदेश (हमारा वतन)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई ।

वंदे भारत ट्रेन का लोकार्पण हाईटेक कमलापति रेलवे स्टेशन पर पीएम मोदी ने किया । पीएम मोदी ने कहा कि एमपी को पहली वंदे भारत ट्रेन मिली है, जो प्रदेश के लोगों को कई सुविधाएं देगी और क्षेत्र के विकास का माध्यम बनेगी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेलवे देश के छोटे शिल्पकारों

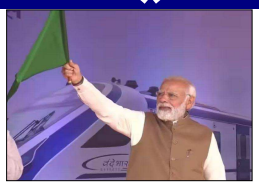

और कारीगरों के काम को देश के हर कोने तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है । अब वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत कई जगहों पर 600 आउटलेट बनाए जा चुके हैं, जहां से करीब 1 लाख लोग खरीदी कर चुके हैं ।

आज देश में अनेकों रेलवे स्टेशनों का आधुनिकरण किया जा रहा है । आज देश के 6 हजार स्टेशनों पर वाई-फाई लगाए जा चुके हैं । वहीं, 900 से ज्यादा स्टेशनों पर सीसीटीवी लग चुका है । वंदे भारत एक्सप्रेस तो पूरे देश में हमारी युवी पीढ़ी में सुपरहिट हो चुकी है । साल भर इन ट्रेनों की सीटें फुल जा रही हैं । देश के हर कोने से इस ट्रेन को चलाने की मांग की जा रही है ।

राइट टू हेल्थ बिल पर डोटासरा से मिलने पहुंचे डॉक्टर्स

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को आंदोलनरत डॉक्टर्स ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की। इस दौरान डॉक्टर्स ने आरटीएच बिल को लेकर डोटासरा के सामने आपत्तियां रखी। जिस पर डोटासरा ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही। वहीं, अब डॉक्टर्स का प्रतिनिधिमंडल जयपुर से सीकर के लिए रवाना हो गया है। जहां सरकार के खिलाफ डॉक्टर मशाल और जागरूकता रैली निकालेंगे। इसके बाद डॉक्टर्स 7 अप्रैल को एक बार फिर जयपुर में महारैली निकाल शक्ति प्रदर्शन करेंगे। जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर्स के शामिल होने की संभावना है। दरअसल, गुरुवार दोपहर में प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी के पदाधिकारियों ने बैठक कर मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। जिसके बाद डॉक्टर्स का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचा था। जहां डॉक्टर्स की ओर से वीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री तक डॉक्टर्स की मांग पहुंचाई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को डॉक्टर्स की समस्या सुनने के लिए अधिकृत किया था। वहीं आज राइट टू हेल्थ बिल को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने डॉक्टर्स की समस्याओं की सुनवाई की है। ऐसे में अब डोटासरा भी अधिकारियो से बातचीत के बाद एक बार फिर डॉक्टर्स से बात करेंगे।

राजस्थान को मिले विशेष राज्य का दर्जा

देसी राज्यों के विलीनीकरण से बना राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है । राजस्थान का एक बड़ा भूभाग पश्चिमी क्षेत्र रेगिस्तान है । दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र का बड़ा भाग बलुआ पत्थरों से बना पठार है । प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियों से जूझते हुए कृषि प्रधान राजस्थान अपना आर्थिक परिदृश्य अर्थव्यवस्था बदलने का प्रयास कर रहा है , परंतु केंद्रीय स्तर पर मजबूत राजनीतिक आवाज नहीं होने के कारण राज्य में केंद्र सरकार व अन्य बड़े औद्योगिक घरानों द्वारा अपेक्षाकृत कम धन का विनियोग हुआ । जनसंख्या कम होने से संसद की सीटें कम हुई । निर्धारित सीटें भी राजनीतिक बंधुओं में बंटती रही । संसद में जोरदार आवाज नहीं हो पाई । कोई भी ताकतवर केंद्रीय नेता नहीं बन सका । राजस्थान में रेगिस्तानी भूभाग के अलावा 5 जिले आदिवासी बाहुल्य हैं । 8 जिलों का बड़ा भाग अविकसित दस्यु प्रभावित क्षेत्र डांग है ।+ इन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, जनजाति का बाहुल्य है । सामंती व्यवस्था के अंतर्गत यह क्षेत्र विकास से वंचित रहे ।जनप्रतिनिधियों की विकास के प्रति दिलचस्पी नहीं होने के कारण तथा पर्याप्त साधनों तथा प्रभावपूर्ण नियोजन के अभाव में आजादी के बाद भी विकास में पिछड़ते गए । जनसंख्या अन्य राज्यों की तुलना में तेजी से बढ़ी है । गरीबी की रेखा के नीचे रहने वालों की जनसंख्या का प्रतिशत अन्य राज्यों की अपेक्षा अधिक है जो लगभग 25 प्रतिशत है ।बेरोजगारी, निर्धनता, अशिक्षा व अज्ञानता मुख्यतया ग्रामीण बेरोजगारी विकराल रूप धारण किए हुए हैं । शिक्षित व अकुशल क्षेत्र के बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है ।

खनिज संपदा की दृष्टि से राजस्थान एक महत्वपूर्ण राज्य है, लेकिन पर्याप्त सुविधाओं व नवीन तकनीक के उपयोग के अभाव में विभिन्न खनिजों का उपयोग नहीं हो रहा । उद्योगों में बहुत कम पूंजी विनियोजन हो सकी है । अन्य राज्यों की तुलना में प्रारंभ से ही विद्युत शक्ति का अभाव है । राजस्थान औद्योगिक दृष्टि से अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ा रहा । रेगिस्तानी, पहाड़ी व पथरीले भू - भाग में परिवहन के साधनों का विकास नहीं हुआ । धन अभाव के कारण सामाजिक सेवाओं, शिक्षा,

पेयजल, चिकित्सा, पोषाहार में अभाव रहा एवं वित्तीय कठिनाइयों के कारण पर्याप्त विकास नहीं हो पाया ।

केवल एक बारहमासी चंबल नदी है । राजस्थान में 10 से 125 सेंटीमीटर औसत वार्षिक वर्षा होती है और हर तीसरे वर्ष राज्य के बड़े भूभाग अकाल की छाया मंडराती रहती है । राजनीतिक कारणों से वर्तमान में राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से संबंधी नीतियों के कारण विशेष केंद्रीय सहायता नहीं मिली । राजस्थान अन्य राज्यों के मुकाबले विकास में पिछड़ गया । केंद्र में भाजपा की सरकार होने के कारण सिंचाई व पेयजल हेतु भी विशेष सहायता नहीं मिली ।

आज स्थिति यह है कि अनेक स्थानों पर पेयजल की कमी है ।बिजली जरूरत से कहीं कम, साक्षरता के मामले में देश भर में बहुत पीछे, जनसंख्या वृद्धि में देश के राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे, अकाल और सूखे की प्रेत छाया, वन क्षेत्रों में लगातार होती चिंताजनक कमी , खनिज बनाम पर्यावरण का उलझा हुआ विवाद , प्रति व्यक्ति कर्ज सामान्य से ज्यादा, मुद्रास्फीति ,बेरोजगारी, बेकारी, महंगाई, असमानता यह चेहरा रहा राजस्थान का ।

संसाधनों की कमी, केंद्र से मिलने वाली अपर्याप्त सहायता और विकास कार्यों के लिए धन अभाव राज्य के आर्थिक, सामाजिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की तस्वीर को उज्जवल नहीं होने दे रहा ।

राज्य की स्थापना के समय यहां 5000 किलोमीटर छोटी रेल लाइन थी । रेल लाइनों की कमी और छोटी रेल लाइन के कारण देश के ज्यादातर भाग से राज्य का संपर्क नहीं था ।अशोक गहलोत के अलावा राज्य का राजनीतिक नेतृत्व आवश्यकतानुसार बड़ी रेल लाइन ने ला पाने में सफल नहीं हो सका ।

संसद सदस्यों की संख्या कम होने के कारण केंद्र का राजनीतिक नेतृत्व इस राज्य के विकास को लेकर उदासीन रहा है । राज्य के विकास के वास्तविक अवरोधों को दूर कर विकास के एक बुनियादी ढांचे की कार्य योजना तैयार करने का कहीं कोई संकल्प नहीं दिखा । ठोस इच्छाशक्ति के साथ कोई सघन अभियान कभी चलाया ही नहीं गया ।

राजस्थान की आबादी का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा ऐसी ढाणियों में रहता है जो गांव से ही बहुत दूर बसी हैं । देश में प्रति वर्ग किलोमीटर आबादी का घनत्व 257 था वहीं राजस्थान में यह केवल 129 रहा । इस वायरल बसावट के कारण एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक बिजली, सड़क आदि आवश्यक सुविधाओं का विस्तार जहां काफी खर्चीला पड़ता है, वहीं इसमें जरूरत से ज्यादा समय भी लगता है । राज्य की बसावट का पैटर्न राज्य के विकास के मार्ग में खासा बड़ा रोड़ा रहा है । केंद्रीय सरकार मौन साधे है । केंद्र की यही उदासीनता सभी मोर्चों पर स्पष्ट दिखती है ।राज्य की वार्षिक योजना को प्रारूपों में स्वीकार किया गया है कि राजस्थान को देश के कुल जल संसाधन का केवल 1 प्रतिशत भाग मिलता है । राज्य के दो तिहाई हिस्सों में जलस्तर या तो बहुत नीचे है या फिर जलस्रोत बहुत दूर हैं या फिर उनका पानी पीने लायक नहीं है । इस विकट समस्या के स्थायी समाधान के कोई केंद्रीय उपाय नहीं हुए हैं ।

शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी यही स्थिति है । साक्षरता के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले राजस्थान का आंकड़ा काफी पीछे है और देश भर में केवल बिहार से ही इस मामले में आगे है । लड़कियों की साक्षरता के मामले में तो और भी खराब है । जहां लड़कियों का राष्ट्रीय साक्षरता और लगभग 50 प्रतिशत है वहीं राजस्थान में उसका करीब आधा रहा है । राज्य में पुरुष साक्षरता भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले कम है । अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में महिला साक्षरता अत्यंत कम है । अब भी राज्य के हजारों राजस्व गांवों और छोटी बसावटों में प्राथमिक विद्यालय नहीं है। प्राथमिक स्तर पर बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वाले छात्रों का प्रतिशत अधिक है । इसके पीछे जहां एक कारण पर्याप्त शिक्षा सुविधाओं का ना होना है और आम आदमी की आर्थिक तंगहाली भी है । बहुत से मामलों में बच्चों की पढ़ाई इसलिए छुड़ा दी जाती है कि बच्चे किसी काम धंधे में लग कर कुछ कमाई करें ।

जनसंख्या नियंत्रण और बाल विवाह को निर्धारित करने के अब तक के कथित सरकारी अभियानों का आज तक सकारात्मक नतीजा सामने नहीं आ सका है । शिक्षा व स्वास्थ्य पर व्यय एवं अशोक गहलोत सरकार के प्रयासों के बावजूद स्थिति में कोई गुणात्मक अंतर आने की आशा नहीं है । महिला विकास कार्यक्रमों की स्थिति दयनीय है । सामाजिक मोर्चे पर महिलाओं की स्थिति बदतर है । आबादी में महिलाओं का अनुपात लगातार गिर रहा है ।

आज भी राज्य की महत्वकांक्षी सिंचाई व विद्युत परियोजनाएं जिस गति से चल रही है, इनके पूरा होने तक इनकी लागत इतनी बढ़ जाएगी कि विशेष वित्तीय सहायता के बिना पूरा नहीं हो सकेगी । सिंचाई व पेयजल के सीमित संसाधनों और विभिन्न क्षेत्रों में भूगर्भ जल स्तर के नीचे जाने के कारण कृषि क्षेत्र के विस्तार की संभावनाएं सीमित हो रही है । सिंचाई की सुविधा केवल 29 प्रतिशत जोत में ही उपलब्ध है । रिफाइनरी व ईआरसीपी परियोजना को केंद्र की ओर से स्वीकृति व सहायता नहीं मिली है ।

अशोक गहलोत सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा हेतु सराहनीय कार्य किया है । परन्तु केन्द्रीय सहयोग नहीं मिल रहा । राजस्थान की सरकार राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रही है परंतु भाजपा की केंद्र सरकार प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक कारणों से पिछडे राजस्थान राज्य के लिए राजनीतिक कारणों से विशेष राज्य का दर्जा नहीं दे रही है । केंद्र में इस राज्य के विकास का मुद्दा नहीं बनाया । यह प्रांत के लिए अत्यंत दर्दनाक है ।

- डॉ. सत्यनारायण सिंह (रिटायर्ड आईएएस)

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा